विषय– संस्कृत

हाईस्कूल–(कक्षा–10)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

संस्कृत गद्य भारती-

1- उद्भिज्ज-परिषद्
2- कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्
3-जीवनं निहितं वने

संस्कृत पद्य पीयूषम्-

1-वृक्षाणां चेतनत्वम्
2-क्षान्ति सौख्यम्
3-जीव्याद् भारतवर्षम्

कथा नाटक कौमुदी-

1-धैर्यधनाः हि साधवः
2-भोजस्य शल्यचिकित्सा
3-ज्ञानं पूततरं सदा

व्याकरण-

विसर्ग सन्धि- अतोरोरप्लुतादप्लुते।
शब्दरूप- पुंलिङ्ग- भगवत्, करिन्
स्त्रीलिंग- सरित्।
न्पुंसकलिंग- मधु, नामन्, अदस्
धातुरूप-परस्मैपद- नश्, आप्, इष्
उभयपद- ज्ञा, चुर
प्रत्यय- शतृ, शानच्, क्तवतु, क्तिन्, इन्, मतुप, ठक्, त्व, तल्।
निबन्ध- (1) मातृभूमिः (2) वसुधैव कुटुम्बकम् (3) भारतीयकृषकः (4) हिमालयः (5) तीर्थराजप्रयागः (6) वनसम्पत्
(7) परिवारकल्याणम् (8) राष्ट्रियपक्षिमयूरः (9) यौतुकम् (10) क्रिकेटक्रीडनम्।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय-संस्कृत

कक्षा-10 **पूर्णांक 100**

इस विषय में 70 अंक की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न-पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न-पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा-

खण्ड क (गद्य, पद्य आशुपाठ)	**35 अंक**
गद्य	
1-गद्य-खण्ड का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	2+5=7 अंक
2-पाठ-सारांश	4 अंक
पद्य	
1-पद्य की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या	2+5=7 अंक
2-सूक्तियों की सन्दर्भसहित हिन्दी में व्याख्या	1+2=3 अंक
3-किसी एक श्लोक का संस्कृत में अर्थ	5 अंक
आशुपाठ-	
1-पात्र चरित्र-चित्रण (हिन्दी में)	4 अंक
2-लघु उत्तरीय प्रश्न (संस्कृत में)	5 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) **35 अंक**

व्याकरण-

1-प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं वर्णों का उच्चारण स्थान 2 अंक

2-सन्धि 3 अंक

1-हल् सन्धि- मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः।

2-विसर्ग सन्धि-विसर्जनीयस्य सः, ससजुषो रुः, हशि च।

3-शब्द रूप- 2 अंक

अ-पुंलिङ्ग-पितृ, गो, राजन्।

ब-स्त्रीलिङ्ग-नदी, धेनु, वधू,।

स-नपुंसकलिङ्ग-वारि, मनस्, किम्, यद्,।

4-धातुरूप--(लट्, लृट्, लोट्, लङ् तथा विधिलिङ् लकारों में)- 2 अंक

अ-परस्मैपद-भू, पा, वस्, स्था।

ब-आत्मनेपद-वृध्, जन्।

स-उभयपद-नी, दा।

5-समास--समासों के विग्रह सहित उदाहरण- 2 अंक

अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।

6-कारक--विभक्ति--निम्न सूत्रों के आधार पर कारक-विभक्ति ज्ञान एवं प्रयोग 2 अंक

कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, साधकतमं करणम्

कर्तृकरणयोस्तृतीया, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्,

चतुर्थी सम्प्रदाने, ध्रुवमपायेऽपादानम् अपादाने पंचमी,

आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च।

7-प्रत्यय-क्त, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, टाप्, अनीयर्। 2 अंक

8-वाच्य परिवर्तन 2 अंक

अनुवाद-

1-हिन्दी अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद 6 अंक

रचना-

1-निबन्ध (कम से कम आठ वाक्य) 8 अंक

जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात के नियम की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

2-संस्कृत शब्दों का वाक्यों में प्रयोग। 4 अंक

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक

निम्नलिखित पाठ्य-पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)-

1-संस्कृत व्याकरण-1-प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं उच्चारण स्थान।

2-सन्धि-व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियों का परिचय एवं अभ्यास।

3-समास-अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि।

4-कारक एवं विभक्ति परिचय।

5-वाच्य-परिवर्तन।

6-अनुवाद-

क-सामान्य नियमों सहित अभ्यास।

ख-कारक एवं विभक्ति ज्ञान।

ग-अनुवाद अभ्यास।

7-प्रत्यय।

8-शब्दरूप-संज्ञा, सर्वनाम तथा संख्या वाचक शब्दों के तीनों लिङ्गों में रूप।

9-धातुरूप-परस्मैपद, आत्मनेपद तथा उभयपद में धातुओं के रूप।
10-संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11-संस्कृत वाक्य शुद्धि।
12-संस्कृत में निबन्ध-
1-विद्या
2-सदाचारः
3-परोपकारः
4-सत्संगति
5-अहिंसा परमोधर्मः
6-राष्ट्रीयएकता
7-अनुशासनम्
8-राष्ट्रपितामहात्मागांधी
9-संस्कृतभाषायाः महत्वम्
10-पर्यावरणम्
11-दूरदर्शनम्
जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात के नियम की जानकारी हेतु प्रश्न निबन्ध के रूप में पूछे जायेंगे।

संस्कृत गद्य भारती

संस्कृत साहित्य पर एक दृष्टि
वैदिक मङ्लाचरणम्
1-कविकुलगुरुः कालिदासः
2- नैतिकमूल्यानि
3- विश्वकविः रवीन्द्रः
4- आदिशंकराचार्यः
5- संस्कृतभाषायाः गौरवम्
6- मदनमोहनमालवीयः
7- लोकमान्यःतिलकः
8- गुरुनानकदेवः
9- दीनबन्धुः ज्योतिबाफुले

संस्कृत पद्य पीयूषम्-

1-लक्ष्य-वेध-परीक्षा
2-सूक्ति-सुधा
3-विद्यार्थिचर्या
4-गीतामृतम्

कथा नाटक कौमुदी-

1-महात्मनः संस्मरणानि
2-कारुणिको जीमूतवाहनः
3-यौतुकः पापसञ्चयः
4-वयं भारतीयाः

आन्तरिक मूल्यांकन- **अंक 30**

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में- (अन्तिम सप्ताह में)

प्रथम- अंक 10- वाचन (वाद-विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय- अंक 10 - (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय- अंक 10-सृजनात्मक (नाटक, कहानी, पत्र लेखन आदि)